दृष्टि The Vision

टिहरी ज़िले के सुरकंडा मंदिर क्षेत्र में डॉपलर रडार का कार्य पूर्ण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में राज्य मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक बिक्रम सिंह ने बताया कि टिहरी ज़िले के सुरकंडा मंदिर क्षेत्र में डॉपलर रडार लगाने का काम पूरा हो गया है।

प्रमुख बिंदु

- वर्तमान में रडार टेस्टिंग का काम चल रहा है, जिसके एक महीने के भीतर सुचारु तरीके से कार्य प्रारंभ करने की उम्मीद है।
- गौरतलब है कि जून 2013 की केदारनाथ आपदा के बाद से सटीक मौसम पूर्वानुमान के लिये पर्वतीय क्षेत्र में रडार की आवश्यकता महसूस की जा रही थी, लेकिन क्षेत्र में रडार स्थापित करने के लिये वर्षों से भूमि का चयन नहीं हो पाने के कारण रडार की स्थापना नहीं हो सकी थी।
- डॉपलर रडार से करीब दो घंटे पहले ही भारी बारिश, ओलावृष्टि और तेज़ हवाओं की संभावना की जानकारी मिल सकेगी।
- रडार 100 किलोमीटर के दायरे में मौसमी गतिविधियों पर डाटा रिकॉर्ड करने में सक्षम होगा।
- रडार से मौसम की सटीक जानकारी चारधाम सर्किट पर यात्रा करने वाले लोगों को भी दी जाएगी।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/doppler-radar-work-completed-in-surkanda-temple-area-of-tehri-district

दृष्टि The Vision